राम आ गए (भरत मिलाप)

राम आ गए (भरत मिलाप)

धुन:-मेरी झोंपडी दे भाग आज जाग जाणगे।

फुल कलियाँ आकाश विचों बरस रहे ने ,राम आ गए।
राम नाम दे जयकार पये गज़ रहे ने ,राम आ गए॥

सिया राम लखन बजरंग ने ,बजरंग ने।
सुग्रीव विभीषण संग ने -ओ संग ने॥
वेख वेख पुष्पयान सब नच्च रहे ने।
राम आ गए.....

राम भरत दे होए मिलाप ने ,ओ मिलाप ने।
मिटे अवध दे दुःख संताप ने -संताप ने।।
दिन बनवास वाले आज कट्ट गए ने।
राम आ गए.....

फल मेवे मिठाई दियां डालीयाँ -ओ डालीयाँ।
हर पासे आज हो रहियाँ दिवालियां -ओ दिवालियां।।
घर गलियां बाज़ार सब सज रहे ने।
राम आ गए.....

सब लोक ने खुशियां मना रहे -ओ मना रहे।
गीत स्वागत दे सब आज गा रहे -ओ गा रहे।।
बाजे-गाजे मधुप आज बज रहे ने -राम आ गए।
राम आ गए..... ।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33162/title/ram-aa-gaye----bharat-milaap-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |